

B.N. SAHA DAV TEACHER'S TRAINING COLLEGE GIRIDIH



Name :- Laxmi Kumari
Class Roll No: 60
University Roll No :24053235012
Session :- 2023-2025

1. छात्र के सम्पूर्ण विकास में शिक्षक की भूमिका।

परिचय



छात्र के संपूर्ण विकास में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, वे ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ छात्रों में नैतिक मूल्यों, सामाजिक कौशल और सकारात्मक सोच का विकास करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आधुनिक युग में शिक्षक की भूमिका

1.

- डिजिटल शिक्षा और तकनीक का उपयोग

2.

- छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास

3.

- व्यक्तिगत सीखने (Personalized Learning) को बढ़ावा देना

शारीरिक विकास में योगदान

- खेल-कूद और शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूक करना।
- स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली की शिक्षा देना।

2. शिक्षा में प्रौद्योगिकी एकीकरण

- शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण केवल छात्रों के सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग को संदर्भित करता है। कक्षा में विभिन्न प्रकार की प्रौद्योगिकी का उपयोग, जिसमें आभासी कक्षा भी शामिल है, ऐसे शिक्षार्थी तैयार करता है जो सीखने के उद्देश्यों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े होते हैं। प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन से व्यापक कक्षा वातावरण के भीतर व्यक्तिगत शिक्षार्थियों के रूप में छात्रों की अनूठी जरूरतों को पूरा करने के लिए विभेदित निर्देश के लिए मार्ग भी बनते हैं।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी के प्रकार

- ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म (Coursera, Udemy)
- स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल बोर्ड
- वर्चुअल रियलिटी (VR) और ऑगमेंटेड रियलिटी (AR)
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित शिक्षण



शिक्षा में AI और मशीन लर्निंग

- व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव
- बुद्धिमान ट्यूटोरिंग सिस्टम
- डेटा एनालिटिक्स द्वारा छात्र की प्रगति पर नज़र

3. शिक्षा में आकलन और मूल्यांकन तकनीक

- शिक्षा में आकलन और मूल्यांकन तकनीकें, सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने और छात्रों की प्रगति को मापने के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये तकनीकें छात्रों की समझ, ज्ञान और कौशल का आकलन करने में मदद करती हैं, जिससे शिक्षक उन्हें बेहतर ढंग से सिखाने और छात्रों की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए अपनी शिक्षण विधियों को समायोजित कर सकते हैं।

आधुनिक आकलन तकनीकें

- ऑनलाइन टेस्ट और क्विज़
- प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग
- पोर्टफोलियो मूल्यांकन
- सहकर्मी मूल्यांकन (Peer Assessment)



आकलन और मूल्यांकन में चुनौतियाँ

- निष्पक्षता बनाए रखना
- छात्रों में परीक्षा का तनाव
- डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता

4. कक्षा में रचनावादी दृष्टिकोण के उदाहरण

-  प्रोजेक्ट आधारित अधिगम (Project-Based Learning)
-  समस्या-आधारित अधिगम (Problem-Based Learning)
-  अन्वेषण आधारित अधिगम (Inquiry-Based Learning)
-  रोल-प्ले और सिमुलेशन (Role Play & Simulation)

शिक्षक की भूमिका

- **मार्गदर्शक (Facilitator) के रूप में कार्य करें।**
- **सीखने के लिए प्रोत्साहित करें, उत्तर देने के बजाय प्रश्न पूछें।**
- **सहयोगी अधिगम के अवसर प्रदान करें।**
- **वास्तविक जीवन आधारित समस्याओं से जोड़ें।**

सीखने के प्रति रचनावादी दृष्टिकोण चुनौतियाँ और समाधान

- चुनौतियाँ:
 - ✗ समय अधिक लग सकता है।
 - ✗ संसाधनों की आवश्यकता होती है।
 - ✗ शिक्षकों को नए तरीकों में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता होती है।
- समाधान:
 - ✓ टेक्नोलॉजी और डिजिटल टल्स का उपयोग।
 - ✓ शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण।
 - ✓ व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना।

5. शिक्षण में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व

- शिक्षण में भावनात्मक बुद्धिमत्ता (Emotional Intelligence - EI) का महत्व बहुत अधिक है क्योंकि यह छात्रों और शिक्षकों दोनों को बेहतर ढंग से सीखने, संबंध बनाने और समस्याओं का समाधान करने में मदद करती है.



भावनात्मक बुद्धिमत्ता के घटक

- आत्म-जागरूकता
- आत्म-नियंत्रण
- प्रेरणा
- सहानुभूति
- सामाजिक कौशल



छात्रों के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता का लाभ

- आत्म-प्रबंधन और तनाव नियंत्रण
- बेहतर संचार कौशल
- सहपाठियों और शिक्षकों के साथ अच्छे संबंध





धन्यवाद